

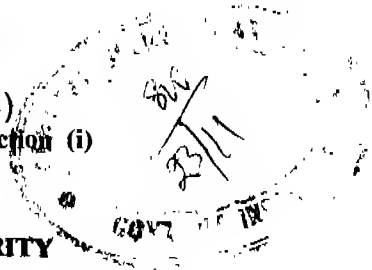


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिभारित से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 442]
No. 442]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 23, 1989/भाद्र 1, 1911
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1989/BHADRA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त नजालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1989

अधिसूचनाएं

सं. 227/89-सामाशुल्क

सा.पा.नि. 777(अ).—केन्द्रीय सरकार, सामाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान ही जान पर कि लोकाहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त नजालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 148/88-सामाशुल्क, तारीख 27 अगस्त, 1988 में निम्नलिखित और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,

- (1) "किंवा राज्य मन्त्रालय निम्न या किंवा महत्व सहकारी परिवर्धन जिसे संबंधित राज्य सरकार ने मान्यता दी है, द्वारा" शब्दों, का लोप किया जाएगा ;

- (2) "उक्त सामाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्घरणार्थ मशुमूँ अतिरिक्त सामाशुल्क से छूट देती है" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

- (1) आयातकर्ता राज्य नजालय में, राठगो उपयोग से संबंध विभाग के उपनिर्देश के तहत अतिरिक्त टैरिफ के किंवा अधिकारी का इस आशय का प्रमाणित प्रस्तुत करता है कि आयात का जाने आगे बाहरी मोटों में नजालयों में लगान के लिए जिनका उपयोग अन्तर्गत रूप से मछली पकड़ने की संक्रिया के लिए किया जाता है, और वह, रियायत देने का निर्धारण करता है,

- (2) आयातकर्ता आयात के समय महायका सामाशुल्क कलक्टर को इस आशय का एक बचतबंद देना है, कि,

- (i) उक्त बाहरी मोटों का प्रयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा; और

- (ii) वह, उपरोक्त (i) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उनकी रकम या गंदाय करेगा जो, यदि इनमें अप्रतिष्ठ पृष्ठ व मोटों, की उक्त बाहरी मोटों पर उद्घरणार्थ शुल्क और आयात के समय पहले ही संबंध शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो।

परन्तु ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तें (1) और (2) किसी राज्य मत्स्य विभाग या किसी मत्स्य सहायक परिषद द्वारा, जिसे संबंधित राज्य सरकार ने मान्यता दी है, उक्त बाहरी मोटर्स के निर्यात की दशा में लागू नहीं होंगी।

[फा.सं. 356/30/89-टी प्रार 7]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd August, 1989

NOTIFICATIONS

NO 227/89-CUSTOMS

G.S.R. 777(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), The Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 148/88-Customs, dated the 27th April, 1988, namely :—

In the said Notification,—

- (1) the words “by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned shall be omitted,
- (2) for the words “section 3 of the said Customs Tariff Act,” the following shall be substituted, namely :—

“Section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer produces a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary of the Department concerned with fisheries in the State Government, to the effect that the outboard motors being imported are for fitment to boats which are exclusively used for fishing operations and recommending the grant of the concession, and
- (2) the importer furnishes an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time of importation to the effect that —
 - (i) the said outboard motors shall be used for the purpose specified above; and
 - (ii) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (i) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on the said outboard motors, but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

Provided that the conditions (1) and (2) specified above shall not apply in the case of imports of the said outboard motors by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned.

[F. No. 356/30/89-TRU]

सं. 228/89-सीमाशुल्क

सा.का.वि. 778(प्र).—उन्नीस सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 84 के अन्तर्गत आने वाले हिमशुष्कीकरण (हिमशुष्क के उपकरण) (जिसे इसमें इसके पश्चात् मशीनरी कहा गया है), जब उसका एंटीबायोटिक्स के विनिर्माण के लिए भारत में आयात किया जाए,—

- (i) उन पर उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क के उतने भाग से, जो उक्त पहला अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, जो मूल्य के 35 प्रतिशत से अधिक है; और
- (ii) उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधिनियम उस पर उद्ग्रहणीय पूर्ण प्रतिशत सीमाशुल्क से;

इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती है कि माल को निकासी के समय आयातकर्ता उद्ग्रहणीय सीमाशुल्क कलक्टर को—

- (1) भारत सरकार के तकनीकी विकास महाविशालय में अपर औद्योगिक सहायक के रैंक से अग्रिम रैंक के किसी अधिकारी का इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है कि आयातित मशीनरी एंटीबायोटिक्स के विनिर्माण के लिए है; और
- (2) भारत सरकार के आयात और निर्यात मुख्य इस आशय के रैंक से अग्रिम रैंक के किसी अधिकारी का इस आशय का नियंत्रक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है कि—
 - (i) आयातकर्ता ने भारत सरकार के आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक द्वारा इस बाधित विनिर्दिष्ट बंधपत्र को यह बचन दब करने हुए निष्पादन किया है कि निकासी की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के भीतर आयात की गई मशीनरी के तीन गुना मूल्य का एंटीबायोटिक्स का निर्यात करेगा; और
 - (ii) आयातकर्ता ने उक्त निर्यात बाधिता की पूर्ति का मानीटर करने और उसे प्रकट करने के लिए ऐसे अनुदेशों का अनुपालन करने का बखतबध किया है जो उक्त आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक द्वारा जारी किए जाएं।

[फा.सं. 246/242/88-टी प्रार 7]

NO. 228/89-CUSTOMS

G.S.R. 778(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Lyophilizer (Freeze Drier equipment) (hereinafter referred to as the machinery), falling within Chapter 84 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of anti-biotics, from,—

- (i) So much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 35 per cent ad valorem; and
- (ii) the whole of the additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

Subject to the condition that, at the time of clearance of the goods, the importer produces to the Assistant Collector of Customs —

- (1) a certificate issued by an officer, not lower in rank than an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development of the Government of India to the effect that the imported machine is required for manufacture of anti-biotics; and
- (2) a certificate issued by an officer, not lower in rank than a Joint Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India, to the effect that —
 - (i) the importer has executed a bond specified in this regard by the Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India undertaking to export anti-biotics of three times the value of the imported machinery, within a period of five years from the date of clearance of the said machinery; and
 - (ii) the importer has undertaken to comply with such instructions as are issued by the said Chief Controller of Imports and Exports to monitor and enforce the fulfilment of the said export obligation.

[F. No. 346/242/88-TRU]

सं. 229/89-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 779(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1989 (1989 का 13) की धारा 35 की उपधारा (4) के माध्यम से

सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 161/89-सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1989 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 97 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के परवर्त, निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टियों अस्तित्वस्थिति की जाएंगी, अर्थात् :

“सं. 98. 228/89-सीमाशुल्क, तारीख 23 अगस्त, 1989”

[फा.सं. 346/242/89-टी.आर.यू.]

आर.के. महाजन, अधर सचिव

NO. 229/89-CUSTOMS

G.S.R. 779 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 161/89-Customs, dated 12th May, 1989 namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 97 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“98. 228/89-Customs, dated the 23rd August, 1989.”

R. K. MAHAJAN, Under Secy.

[F. No. 346/242/89-TRU]

